DSSSB PRT, TGT & PGT
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
हिन्दी
क्रिया
LIVE 28-03-2024 09:00 AM

क्रिया (कार्य का होना)

परिभाषा- क्रिया विकारी शब्द है।
जिस शब्द से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है उसे क्रिया कहते है।

जैसे- पढ़ना, हँसना, कूदना, चलना, दौड़ना, सोना, रोना इत्यादि

पढ़ने की क्रिया — हँसने की क्रिया

* साश्लिष्ट विभक्ति - सर्वनाम के साथ विभक्ति का लिखना

↓ सर्वनाम

↳ उसने खाना खाया।

(उस → सर्वनाम, ने → विभक्ति)

मुझको माफ कर दो।

* विश्लिष्ट विभक्ति - संज्ञा के साथ हो परन्तु विभक्ति अलग हो।

↓ विभिन्न ↓ अलग

↳ राम ने खाना खाया।

(राम → संज्ञा, ने → विभक्ति)

सीमा के कपड़े गन्दे है।

धातु ⇒ जिस मूल शब्द से क्रिया बनती है उसे धातु कहते है।

अथवा

क्रिया के मूल को धातु कहते है।

दौड़ + ना = दौड़ना

↓ मूल शब्द ↓ प्रत्यय ↳ दौड़ने की क्रिया

धातु के दो भेद होते है-

(i)-मूल धातु ⇒ मूल धातु किसी अन्य शब्द पर निर्भर नही होती अर्थात स्वतन्त्र होती है।

पढ़ - लिख
खा पी
देख

(ii)- यौगिक धातु - जो दो या दो से अधिक धातुओं के संयोग से बनती है उसे यौगिक धातु कहते हैं।

जैसे - उठना - बैठना
रोना - धोना
चलना - फिरना
रो पड़ना
जीना - मरना

कर्म के आधार पर क्रिया के भेद – 2

1. अकर्मक क्रिया - जिन क्रियाओं के कार्य का फल कर्ता में ही रहता है अकर्मक क्रिया कहलाती है।

अकर्मक क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती।

जैसे - दौड़ना, जाना
रोना, चलना
हँसना, नाचना
सोना
उड़ना

- शिशु सो रहा है।
- कुछ बालक हंस रहे थे।
- पक्षी उड़ता है।
- मीरा जोर से हंसी ।
- सांप रेंगता है।
- चिड़ियाँ आकाश में उड़ती है।
- राजेश दौड़ता है।

- बच्चा बिस्तर पर सोता है।
- मेघनाथ चिल्लाता है।
- वे सो रहे है।
- पक्षी आकाश में उड़ते है।
- कुत्ता भोंकता है।
- अरुण टहलता है।

2. सकर्मक क्रिया - जिस क्रिया का प्रभाव कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। उसे सकर्मक क्रिया कहते है।

सकर्मक क्रिया में कर्म की आवश्यकता होती है।

- शैली पुस्तक पढ़ रही है।
- रीना खाना खा रही है।
- विकास ने खिलौना खरीदा।
- सविता फल खाती है।
- अध्यापक ने लड़के को पीटा।
- भवंरा फूलों का रस पीता है।
- गीता फूल तोड़ती है।

सीता गीत गाती है।

राधा मूर्ति बनाती है।

भावना कहानी पढ़ती है।

मोहन फुटबॉल खेलता है।

पुलिस ने चोर को पीटा।

एककर्मक

द्विकर्मक

(1) एककर्मक क्रिया - जिस सकर्मक क्रियाओं में केवल एक ही कर्म होता है, वे एककर्मक क्रिया कहलाती है।

- नौकरानी झाड़ू लगा रही है।
- आशा गाना गा रही है।
- रवि फिल्म देख रहा है।
- प्रदीप खाना खाता है।

(2) द्विकर्मक क्रिया – जिन सकर्मक क्रियाओं में एक साथ दो कर्म होते हैं, वे द्विकर्मक क्रिया कहलाते है।

- श्याम ने राधा को रुपये दिये।
- अध्यापक ने छात्रों को हिन्दी पढ़ाई।
- मीरा अपने भाई के साथ फिल्म देख रही है।

- राजा ने ब्राह्मण को दान दिया।
- राम लक्ष्मण को गणित सिखाता है।
- छात्र ने अध्यापिका को कॉपी दिखाई।
- हमने मोहन से मकान खरीदा।
- श्याम ने राम को थप्पड़ मार दिया।

- राधा गई
- मोहन चलो
- अमन आया
- रीना नाची

रीटा जागी

विशाल नहाया

अनुपमा भागी